सांभर-फुलेरा जिले की मांग को लेकर महापड़ाव में करीब 50 हजार लोग पहुंचे

पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को खदेड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़े

सांभरझील, (निसं)। सांभर फुलेरा जिला बनाने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता विद्याधर चौधरी, भाजपा जयपुर जिला देहात के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के मानाराम ठोलिया व एडवोकेट कानाराम कुमावत के संयुक्त नेतृत्व में सांभर के सम्राट पृथ्वीराज चौहान सर्किल से दूदू के मोखमपुरा हाईवे पर महापड़ाव में शामिल होने के लिए हजारों लोग पहुंचे। इसी बीच भारी तादाद में स्पेशल टास्क फोर्स की गाड़ियां और पुलिस फोर्स के जवान आ गए और उन्होंने आड़ी तिरछी गाड़ी खड़ी कर लोगों को रोकने में बाधा उत्पन्न की। साथ ही पुलिस प्रशासन की ओर से अपील भी जारी की गई कि आपको जहां से अनुमति दी गई है वहीं पर भीड़ एकत्रित हो यहां पर ज्यादा देर नहीं रुके, कानून की पालना करें अन्यथा हमें कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

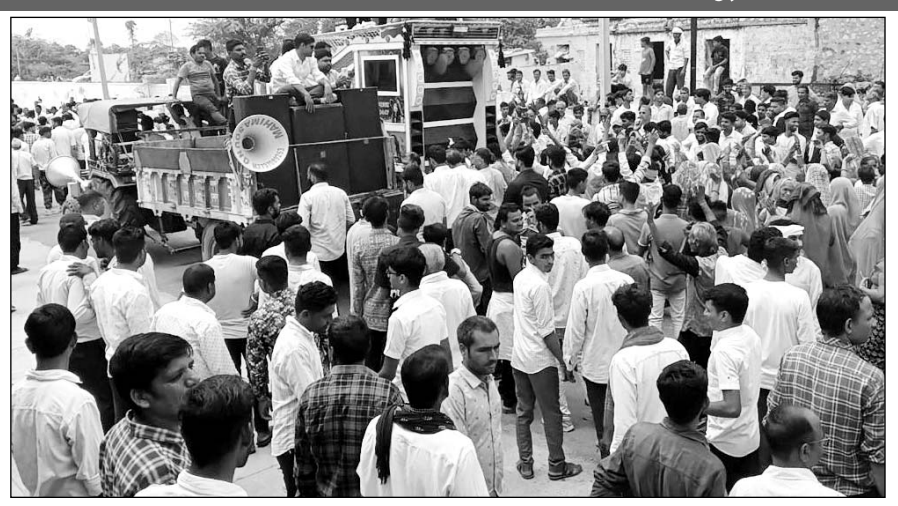

महापड़ाव में शामिल होने के लिए हजारों की तादात में लोग ट्रैक्टरों और पिकअप से पहुंचे।

इस अपील के बाद एक बार तो लोग इधर-उधर हो गए बाद में स्थिति को भाप कानाराम कुमावत ने माइक पर घोषणा की कि पुलिस और प्रशासन अनावश्यक महापड़ाव जा रहे लोगों को रोकने की कोशिश ना करें और न ही कानून का भय दिखाएं, हम हमारा शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं उसमें वह भी पूरा साथ दें और हम भी पूरा सहयोग करेंगे। इसके बाद यहां से धीरे-धीरे जुलूस सांभर फुलेरा से होता हुआ कचरोदा फाटक के पास पहुंचा। जहां अंडरपास के आगे पुलिस ने बैरीकेट लगाकर रास्ता जाम कर रखा था। महापड़ाव में फुलेरा विधानसभा क्षेत्र की करीब 200 से अधिक गांवों के करीब 50 हजार लोगों के अलावा सांभर फुलेरा के जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। दीनदयाल कुमावत और विद्याधर चौधरी के मौके पर लोगों से अपील की गई कि वे शांति से आंदोलन का हिस्सा बने, जिससे आपका आंदोलन सफल हो, लेकिन इससे पहले ही वेरीकेट तोड़ दिया गया। जिस पर एसडीएम जयंत कुमार चौधरी, एडीएम अशोक कुमार शर्मा ने अपील की कि कोई भी कानून को हाथ में ना लें इसकी वीडियोग्राफी कर ली गई है उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा आप यहां से गाड़ी लेकर के ना जाए केवल पैदल ही आपको जिस स्थान पर अनुमति दी गई है वहां तक पहुंचना है।

हजारों लोग पैदल ही अपने गंतव्य स्थल तय करने में लगे हुए थे। ट्रैक्टर ट्रोलियो में भरकर काफी संख्या में आसपास के गांव के लोग महापड़ाव में शामिल होने का हिस्सा बने। प्रशासन और नेतृत्व कर रहे लोगों के बीच समझौता यह होना था कि दूदू में सांभर फुलेरा शामिल नहीं होगा लेकिन इसके लिए जिला कलेक्टर को लिखित में देना होगा। जैसे ही ऐसे लोगों को कि आंदोलन सफलता की ओर पहुंच रहा है तो कुछ लोगों की ओर से इस जिद पर अड़ गए कि सांभर फुलेरा जिला बनेगा। यह बात पक्की होने पर व लिख कर देने पर ही हम यहां से हटेंगे और ऐसे लोगों ने शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे लोगों को भी अपने पक्ष में कर लिया और लोग भी इस खेल को नहीं समझ सके। लोगों की जिद शुरू हो गई कि कि मोखमपुरा महापड़ाव पहुंचकर ही हम दम लेंगे। इस सारे घटनाक्रम से प्रशासन पुलिस प्रशासन के भी हाथ-पांव फूल गए क्योंकि उन लोगों ने जहां पर पुलिस ने बैरिकेड लगा रखे थे। उसके बीच सड़क से कच्चे रास्ते से हुए खेतों की ओर भागना शुरू कर दिया और काफी लोग कचनेर तक पहुंच गए।

इधर प्रशासन पुलिस प्रशासन भी इन्हें मोखमपुरा हाईवे तक पहुंचने के लिए पूरा मुस्तैद बना हुआ था और उन्हें आगे जाने से रोक दिया। लेकिन यहां से भी हजारों की संख्या में लोग आसपास खेत व कच्चे रास्तों से हुए होते हुए सांवरदा मोड़ के पास मोखमपुरा हाईवे तक पहुंच गए, जिन्होंने रास्ते को जाम करने की कोशिश की जैसे ही पुलिस को मालूम चला तो टास्क फोर्स और पुलिस के जवान तत्काल प्रभाव से वहां पहुंच गए और 10 मिनट के भीतर ही आंदोलन कर रहे लोगों को लाठीचार्ज कर वहां से खदेड़ा। इसमें बताया जा रहा है कि 2 लोग घायल हो गए। पुलिस को लगा कि लोग काबू में नहीं आएंगे तो आंसू गैस के गोले छोड़ने शुरू कर दिए। आंसू गैस के गोले जब नहीं फटे तो लोगों ने उनको लेकर मिट्टी में दबाना शुरू कर दिया।

वहीं दूसरी तरफ सांवरदा मोड़ के पास ही नेतृत्व कर रहे विद्याधर चौधरी और दीनदयाल कुमावत को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और सांभर थाने लेकर आ गई। भूखे प्यासे आंदोलनकारियों में शामिल कुछ लोगों का कहना है कि प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ नेतृत्व कर रहे लोगों के बीच सहमति बनने जा रही थी कि दूदू में सांभर फुलेरा शामिल नहीं होगा और बताया जा रहा है कि इसके लिए प्रशासन लिखित में देने को भी तैयार था लेकिन कुछ उग्र आंदोलनकारियों की वजह से यह प्रयास सफल नहीं हो सका और उन्होंने इस समझौते में बाधा उत्पन्न कर दी।

■ सांवरदा मोड़ के पास विद्याधर चौधरी और दीनदयाल कुमावत को पुलिस ने हिरासत में लिया

इधर लोगों में इस बात का भी गुस्सा है कि दूदू विधायक के दबाव में पुलिस ने शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे लोगों को जबरन खदेड़ा और लाठीचार्ज कर उनको घायल किया। लोगों का कहना है कि हमने मोखमपुरा तक पहुंचकर दूदू विधायक को यह बता दिया है कि सांभर फुलेरा क्षेत्र के लोगों ने अपनी मां का दूध पिया है।

चौमूं/कालाडेरा संवाददाता के अनुसार :- सांभर व फुलेरा को जिला बनाने को लेकर चल रहे मोखमपुरा महापड़ाव से रविवार रात्री को प्रशासन के आला अधिकारियों की मौजूदगी में विद्याधर सिंह चौधरी व डीडी कुमावत को प्रशासन ने शांतिभंग 151 में कालाडेरा थाने लेकर पहुंचे। देर रात्रि को दोनों नेताओं को जमानत पर छोड़ दिया।

सांचोर थाने की हवालात तोड़कर दुष्कर्म का आरोपी फरार

मामले की गंभीरता को देखते हुए दो पुलिसकर्मी निलम्बित

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचोर पुलिस थाना की नाकामी के चलते रविवार अल सुबहह तीन बजे दुष्कर्म का आरोपी थाने की हवालत की जाली तोड़कर फरार हो गया। इस घटना को लेकर एसपी जालोर ने तुरंत प्रभाव दो पुलिस कर्मियों को निलम्बित कर दिया।

सांचोर पुलिस ने दो दिन पूर्व पाली जिले से दुष्कर्म के आरोपी मदन कुमार पुत्र कृष्ण कुमार मेघवाल निवासी पुर को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने एक नाबालिग लड़की के दुष्कर्म करने के आरोपी मदन कुमार को पाली से गिरफ्तार कर सांचोर लाया गया था। तथा कडी पुछताछ करने के बाद सोमवार को उसे न्यायालय में पेश करना था। लेकिन उससे पहले ही रविवार

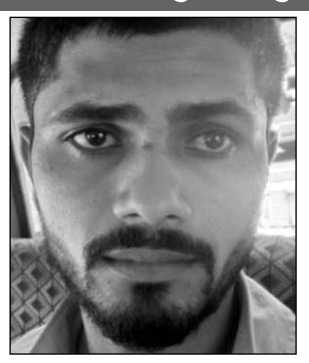

आरोपी मदन कुमार।

अलसुबह थाने की हवालत की जाली तोड़कर थाने में खुला घूमते हुए थाने से पीछे की गैलेरी की सिमेंट की जाली तोड़कर थाने की दीवार फांदकर फरार हो गया। ड्यूटी कर रहे पुलिस कार्मिकों की जब इसकी सूचना मिली तो उन्होंने आला अधिकारियों को इस घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों के हाथ पांव फूल गये तथा दुष्कर्म के आरोपी की तलाश शुरू की। लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं लगा।

पुलिस अधीक्षक जालोर मोनिका सैन ने बताया कि सांचोर पुलिस थाने की हवालत की जाली तोड़कर बलात्कार का आरोपी फरार हुआ है। जिसकी तलाश के लिए सात टीमों का गठन किया गया है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए सांचोर थाने के डीओ डयूटी कर हैड कॉन्स्टेबल कमलेश कुमार राव व पहरेदार हनुमानाराम चौधरी को तुरंत प्रभाव से निलम्बित किया गया है। आरोपी को जल्द पकड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं।

हादसे में महिला की मौत, पुत्र घायल

उदयपुर, (निसं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में कंटेनर की टक्कर से महिला की मौत हो गई तथा पुत्र घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर में प्रतापनगर थाना क्षेत्र देबारी पुलिया आगे दाखा खेड़ा कट पर कंटेनर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में विजनवास घासा निवासी लीला देवी (52) पत्नी ओमप्रकाश खटीक तथा उसका पुत्र घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां लीला को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल अमरसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि लीला अपने पुत्र के साथ बाईक पर बैठ कर अपने घर से जिंक की तरफ रिश्तेदार के यहां आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में जा रही थी। जहां बीच रास्ते हादसा हो गया।

अधेड़ की मौत, व्यापारी पर मारपीट का आरोप

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर के गांधी पार्क के पास टाईकोन मोबाइल की दुकान पर रविवार की शाम को एक अधेड़ की हुई मौत के बाद मृतक के भाई ने मोबाइल व्यापारी पर मृतक ओमप्रकाश के साथ मारपीट करने से मौत होने का आरोप लगा थाना पुलिस को रिपोर्ट दी।

अधेड़ ओमप्रकाश राव निवासी रैती मौहल्ला मालपुरा की हुई रहस्यममय मौत की सूचना के बाद एएसपी राकेश कुमार बैरवा व थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह राठौड़ मय जाप्ते के अस्पताल पहुंचे। जहां मृतक के भाई सीताराम व अन्य ने बताया कि मृतक ओमप्रकाश राव ने टाईकोन मोबाइल की दुकान से एक कूलर लिया था। जिसका भुगतान वो किस्तों में कर रहा था। भुगतान पेटे 300 रूपये बकाया होने पर दुकान मालिक व उसके कार्मिकों ने रविवार को ओमप्रकाश को दुकान बुला दुकान के पिछवाड़े गोदाम में ओमप्रकाश के साथ जमकर मारपीट की जिससे अंदरूनी चोटें लगने पर वो अचेत हो गया। घबराये व्यापारी ने कार्मिकों के साथ अचेतावस्था में ओमप्रकाश राव को मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवा मौके से फरार हो गये। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर अचेत ओमप्रकाश को मृत घोषित किया। भाई सीताराम ने लिखित में थाना पुलिस को ओमप्रकाश के साथ मारपीट करने से ही मौत होना बताते हुए थाना पुलिस को नामजद रिपोर्ट दी। देर शाम तक परिजन व्यापारी को अस्पताल बुलाने व कार्यवाही की मांग पर अड़े रहे। जिसके चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।

जेल कर्मचारियों की भूख हड़ताल जारी

जोधपुर, (कासं)। सेंट्रल जेल सहित राजस्थान की 100 जेलों के कर्मचारी पिछले 5 दिन से भूखे रह कर आंदोलन कर रहे हैं। अब तक 25 जेल प्रहरी अस्पताल पहुंच चुके हैं जबकि राजस्थान में यह आंकड़ा 300 से भी ज्यादा है। जेलकार्मिकों का मैस बहिष्कार रविवार भी जारी रहा। मात्र पानी के भरोसे ड्यूटी कर रहे 25 जेल कर्मियों की तबियत बिगड़ चुकी है। पुलिसकर्मियों के समान वेतनमान की मांग को लेकर इस साल जेल प्रहरी दूसरी बार आंदोलन पर उतरे हैं।

पहले 7 दिन तक जेल में ही काली पट्टी बांधकर सांकेतिक प्रदर्शन किया और उसके बाद अब पिछले 5 दिन से मैस का बहिष्कार कर सिर्फ पानी पीकर अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। जेलकर्मियों की तबीयत बिगड़ रही है और अब तक 25 से ज्यादा जोधपुर सेंट्रल जेल के कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जेल प्रहरियों का कहना है कि भले ही पूरे स्टाफ को अस्पताल में भर्ती करवाना पड़े लेकिन वे अपना आंदोलन जब तक सरकार उनकी मांगें नहीं मान लेती जारी रखेंगे। राजस्थान के 100 जेलों के कर्मचारी आंदोलन में शामिल है।

उदयपुर में बीस जेल प्रहरियों की हालत बिगड़ी

उदयपुर, (निसं)। वेतन विसंगतियों को लेकर स्थानीय जेल के बाहर धरना दे रहे बीस जेल प्रहरियों की हालत रविवार को बिगड़ गई जिन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वैतन विसंगति को दूर करने की मांग को लेकर 21 जून से उदयपुर केन्द्रीय कारागृह के बाहर प्रदर्शन कर रहे जेल प्रहरियों में से 20 जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

सभी जेल प्रहरी मैस बहिष्कार कर अपनी मांगों को लेकर आदोलन कर रहे हैं। इधर उपकारापाल उकार लाल जोशी के नेतृत्व में प्रतिनिधी मंडल ने अपनी मांगों को लेकर उदयपुर के पूर्व सांसाद रघुवीरसिंह मीणा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर विसंगति दूर कराने की मांग की तथा उदयपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री से संपर्क करवा उक्त आदोलन को खत्म कराने की बात कही।

झमाझम बारिश से कोटा की कई बस्तियों में पानी भरा

निगम उपायुक्त का कहना है कि जलभराव और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के लिए कंट्रोल रूम खोल दिया है

कोटा में बरसात के कारण कई इलाकों में पानी भर गया।

कोटा, (निसं)। संभाग में बीती रात से ही झमाझम बारिश का क्रम शुरू हो गया है। इसके चलते कई निचली बस्तियों में पानी भर गया। पहली बारिश में ही इन कॉलोनियों की पोल खुल गई है वहां पर कीचड़ ही कीचड़ हो गया है। कोटा शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाके में भी बिजली तंत्र पहली बारिश में ही ध्वस्त जैसा नजर आया।

जानकारी के अनुसार बजरंग नगर इलाके में भी 3 से 4 घंटे तक बिजली रात को गुल रही। इसके अलावा शहर के थेकड़ा के जयश्री विहार में भी रात को बिजली गुल हुई जिसके बाद वापस ही नहीं आई है। ऐसे ही हालात बारां जिले में भी बने हुए हैं। बारां शहर की बिजली आती-जाती रही। दूसरी तरफ कई गांवों की बिजली भी देर रात से गुल है जो अभी तक बहाल नहीं हो पाई है। बजरंग नगर त्रिवेणी आवास निवासी राजेंद्र यादव का कहना है कि आधे घंटे की बारिश में ही उनके यहां पर बिजली गायब हो गई जो चार घंटे बाद वापस आई। कोटा नगर निगम के उपायुक्त गजेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने जलभराव और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के लिए कंट्रोल रूम खोल दिया है। जहां पर आम व्यक्ति फोन कर तुरंत सूचना दे सकता है।

जोधपुर संवाददाता के अनुसार:- शहर में बीती रात करीब आधा घंटे तक बादल जमकर बरसे। मानसून एक्टिव होने से पहले बारिश का दौर जोधपुर सहित राजस्थान के कई हिस्सों में शुरू हो चुका है। मूसलाधार बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा। जोधपुर शहर में देर रात करीब तीन बजे अचानक से मौसम बदला और मूसलाधार बारिश हुई। कई लोग गहरी नींद में थे तो उन्हें सुबह सड़कों पर और छत पर पानी भरा देखकर भी इस बात का एहसास हुआ। बिपरजॉय तूफान के बाद जोधपुर शहर में यह पहली बारिश है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार तीन-चार दिन बाद एक बार फिर से तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इन दिनों लोगों को मौसम में बढ़ी नमी ने परेशान कर रखा है। तापमान अधिकतम 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा है।

जालोर संवाददाता के अनुसार:- जालोर में गत कुछ दिन पूर्व चक्रवाती तूफान से बाढ़ के हालात बनने के बाद रविवार को एक बार फिर बारिश से दस्तक दी। शाम को झमाझम बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया। जालोर में बिपरजॉय तूफान के बाद रविवार को आसमान में बादल छाने के साथ झमाझम बारिश होने से कुछ स समय में चहूंओर पानी ही पानी नजर आने लगा। मूसलाधार बारिश से गत दिन बाढ़ से सड़कों पर खड्डे पड़ जाने से उन खड्डों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अलवर में बारिश होने से मिली राहत

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में कई दिनों की उमस व तेजी गर्मी से रविवार सुबह राहत मिली। जिले में घने बादल छाए और बारिश शुरू हो गई। करीब दो घंटे से अधिक समय तक हल्की बारिश हुई। कुछ जगहों पर बारिश थोड़ा तेज भी थी। जिसके कारण तापमान कई डिग्री सेल्सियस कम हुआ है। वहीं उमस से बड़ी राहत मिली है। जिले भर में इस बार जून माह की शुरुआत में ही बाजरे की बुआई कर दी गई थी। अब कई जगहों पर बाजरा अच्छा है, काफी बड़ा हो चुका है। कुछ जगहों पर फसल छोटी है। कुछ ऐसे स्थान भी हैं जहां अभी बुआई जारी है, इन सब जगहों पर बारिश फायदा करेगी। इस बार उम्मीद है कि बांध व तालाब जल्दी भर जाएंगे। असल में भीषण गर्मी के दिनों में भी बीच-बीच में बारिश होती रही है। इस कारण अधिक गर्मी नहीं पड़ी। पिछले पांच से 7 दिनों से जरूर उमस भरी गर्मी का असर अधिक रहा है। अब तापमान कई डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया है।

श्योपुरा घटना के विरोध में सोमवार को चिड़ावा बंद रहेगा

चिड़ावा, (निसं)। श्योपुरा में मारपीट के बाद नाबालिग के अपहरण की घटना के विरोध में चिड़ावा शहर सोमवार को बंद रहेगा। इसको लेकर चिड़ावा थाने के सामने धरने पर बैठे ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने व्यापार मंडलों के अध्यक्षों से मुलाकात की।

भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया, पंकज धनखड़, ओजटू सरपंच विनोद डांगी, पूर्व पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश बसवाला और ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल ने सबसे पहले श्री गल्ला व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश मालानी से मुलाकात की और घटना के बारे में जानकारी देते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और नाबालिग बच्ची की बरामदगी ना होने पर चिड़ावा बाजार बंद रखने में व्यापारियों से सहयोग की अपेक्षा की। जिस पर उन्होंने बाजार बंद रखने पर सहमति देते हुए सभी व्यापार मंडलों से मिलकर सामूहिक बंद रखने का निर्णय लिया। इसके बाद सभी प्रतिनिधियों ने हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रिक एसोसिएशन अध्यक्ष महेंद्र धनखड़, कपड़ा व्यापार मंडल अध्यक्ष रमेश चौधरी, मिठाई विक्रेता संघ अध्यक्ष शीशराम हलवाई सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से मिलकर बंद में सहयोग मांगा। भाजपा नेता राजेश दहिया ने बताया कि गुरुवार रात से लेकर अब तक पुलिस केवल आश्वासन दे रही है। अपराधी अब तक पकड़ में नहीं आए। पुलिस ने रविवार तक का वक्त मांगा था। ऐसे में सोमवार को अगर अपराधी ना पकड़े गए और नाबालिग बच्ची को दस्तयाब नहीं किया गया तो आंदोलनात्मक रुख अपनाया जाएगा। जिसके तहत सोमवार को चिड़ावा बंद का फैसला किया है। जिसका सभी व्यापार मंडलों ने समर्थन किया है।

नाबालिग के अपहरण के मामले में पुलिस के हाथ खाली

■ महिलाएं भी विरोध में उतरी

चिड़ावा, (निसं)। चिड़ावा शहर के निकट श्योपुरा में मारपीट और नाबालिग के अपहरण के मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। हालांकि पुलिस लगातार बदमाशों का पीछा कर रही है। हरियाणा, दिल्ली, यूपी में बदमाशों की लोकेशन पर पुलिस रेड मार रही है। संबंधित सभी राज्यों की पुलिस का भी सहयोग लिया जा रहा है। इधर मामले को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। रविवार को काफी महिलाएं भी थाने के सामने धरना स्थल पर पहुंची और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

महिलाओं का कहना है कि जब घर में ही सुरक्षित नहीं है तो इस स्थिति में बच्चियों को स्कूल में भी सुरक्षा कैसे मिलेगी। पूरे गांव में दहशत है। महिलाओं ने जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर नाबालिग को दस्तयाब करने की मांग पुलिस से की है। वहीं नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने भी फोन पर पीड़ित और ग्रामीणों से बात की और आश्वासन दिया कि भाजपा इस मामले को प्रदेश स्तर पर उठाएगी और पुलिस पर दबाव बनाएगी। उन्होंने मामले को लेकर डीजी से बात करने का भी आश्वासन दिया। पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल ने राठौड़ से बात करवाने के बाद सीआई रणजीत सेवदा से मुलाकात की और बताया कि पुलिस अपने स्तर पर पूरे प्रयास कर रही है और आरोपियों ने नजदीक है जल्द ही आरोपी पकड़ में होंगे।

अजमेर के कई इलाकों के जलमग्न होने के लिए प्रशासन और राज्य सरकार जिम्मेदार : देवनानी

'ब्रह्मपुरी नाले की मरम्मत के लिए स्वीकृत 19 करोड़ कहां खर्च हुए इसकी जांच हो'

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने जिला प्रशासन पर बिना किसी पूर्व तैयारी और बंदोबस्त के आनासागर झील के चैनल गेट खोलकर ब्रह्मपुरी और आसपास के इलाकों को पानी में डुबाने का आरोप लगाया है। देवनानी ने रविवार को प्रभावित ब्रह्मपुरी और काला बाग इलाके का दौरा किया और वहां व्याप्त अव्यवस्थाओं और लापरवाही को देखा। देवनानी ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनी।

विधायक वासुदेव देवनानी ने अजमेर के कई इलाकों का दौरा किया।

देवनानी ने जिला प्रशासन पर आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुनी जा रही हैं। जनता सड़कों पर हैं और अधिकारी जनता द्वारा समस्याओं को लेकर किए जा रहे फोन नो रिप्लाई कर रहे हैं। देवनानी ने कहा कि ब्रह्मपुरी के लोगो ने शनिवार की पूरी रात पानी के खौफ में जागकर बिताई है जिसके लिए प्रशासनिक असक्षमता जिम्मेदार है। देवनानी ने कहा कि शनिवार शाम आनासागर झील के पानी की निकासी को बढ़ाने का फैसला लेते हुए प्रशासन ने जिस तरह से बिना किसी पूर्व तैयारी के एकदम से मिट्टी के कट्टे लगाकर बजरंगढ़ से लेकर महावीर सर्कल तक के रास्ते को बंद किया और बाद में पानी निकासी से ब्रह्मपुरी की कई गलियों में घुटने तक का पानी आ गया वो प्रशासन की नासमझी और जल्दबाजी में लिए गए फैसले का प्रतीक है।

देवनानी ने ब्रह्मपुरी नाले की मरम्मत के लिए स्वीकृत 19 करोड़ रुपए की राशि के उपयोग पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि नाले की मरम्मत नहीं की गई तो वो पैसा कहां खर्च हुआ इसकी भी जांच होनी चाहिए। अधिकारी जमकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं और जनता को अपने हाल पर छोड़ रखा है। आपदा प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी फोन नहीं रिसीव करते हैं। ब्रह्मपुरी नाले की सफाई का काम ही शुरू नही किया गया जिसके चलते आज यह हालत हुए हैं। देवनानी ने कहा कि स्मार्ट सिटी के तहत मिले बजट का पैसा कहां खर्च हुआ इसकी पड़ताल की जानी चाहिए। मौसम विभाग की पूर्व चेतावनी के बावजूद भी जिला प्रशासन नहीं चेता और जगह-जगह से क्षतिग्रस्त नाले की मरम्मत और सफाई नहीं हुई जिसके कारण मिट्टी के कट्टे लगाकर पानी के कटाव को रोकने की नाकाम कोशिश की गई। देवनानी ने जिला प्रशासन को आपदा राहत में पूरी तरह से नाकाम बताते हुए कहा कि सिर्फ रास्ता रोककर प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री नही कर सकता। ब्रह्मपुरी में पैदा हुए हालातो को लेकर वे कलेक्टर से फोन पर बात कर हालात से अवगत करवाया। देवनानी ने मौके पर निगम आयुक्त सुशील कुमार से फोन पर बात कर सफाई और फोगिंग करने को कहा। इस पूरे मामले को विधानसभा में भी उठाएंगे और जनता को राहत पहुंचाने के लिए जो भी मुमकिन कदम होगा उसको उठाया जायेगा।

■ विधायक वासुदेव देवनानी ने प्रभावित ब्रह्मपुरी और काला बाग इलाके का दौरा किया

इस दौरान पूर्व भाजपा शहर जिला अध्यक्ष अरविंद यादव, राजेश शर्मा, रोहित यादव, गजेंद्र गहलोत आदि भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी सहभागी बने।